मास्टर ऑफ कॉमर्स	कार्यक्रम कोड : एमकॉम
Master of Commerce	**Programme Code : MCom**

उद्देय (Objectives) :

- वाणिज्य विषयक स्नात्कोत्तर स्तरीय ज्ञान की विशेषज्ञता का विकास।
- अखिल भारतीय स्तर पर व्याख्याता/प्रशासनिक सेवा के लिए सामर्थ्य का विकास।
- सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों के लिए रोजगार संभावनाओं का निर्माण करना।
- वाणिज्य विषयक लेखा एवं वित्त सेवाओं हेतु योग्यता बढ़ाना।

प्रवेश योग्यता
(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम अवधि 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध) 32
एम. कॉम. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
एम.कॉम. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम. कॉम. पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थी को हिन्दी माध्यम की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

एम.कॉम.(पूर्वार्द्ध)

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	संगठन एवं प्रबन्ध *Organization and Management*	एम कॉम–01 *M Com - 01*	*8*
2.	व्यावसायिक वातावरण *Business Environment*	एम कॉम –02 *M Com – 02*	*8*
3.	वित्तीय एवं निगम लेखांकन *Financial and Corporate Accounting*	एम कॉम –03 *M Com - 03*	*8*
4.	वित्तीय प्रबन्ध *Financial Management*	एमकॉम –04 *M Com - 04*	*8*

एम.कॉम.(उत्तरार्द्ध)

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	शोध प्रविधि *Research Methodology*	एम कॉम–05 *M Com - 05*	*8*
2.	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र *Managerial Economics*	एम कॉम –06 *M Com – 06*	*8*
3.	अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय *International Business*	एम कॉम –07 *M Com - 07*	*8*
4.	लागत एवं प्रबंध लेखांकन *Cost and Management Accounting*	एम कॉम –08 *M Com - 08*	*8*
5.	लागत एवं प्रबन्ध अंकेक्षण *Cost and Management Audit*	एम कॉम –09 *M Com - 09*	*8*

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा: एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम. कॉम (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।